as well as private sector units, unit-wise; and

(b) what are the corresponding figures in other countries?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) It would not be in the commercial interest of the steel plants to disclose their costs of production.

(b) Costs of production of steel in different countries are not comparable due to differences in technology, input prices and their qualities, extent of automation, scope of operations, etc.

Indian Iron and Steel Company

2646. SHRI KRISHNA KUMAR BIRLA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Iron and Steel Company Limited (IISCO), Burnpur is likely to be adversely affected by the decontrol of the Steel; and

(b) if so, whether the price of steel is likely to increase substantially after decontrol of steel?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) No, Sir.

(b) After deregulation on 16-1-1992 the main producers have not increased the prices of iron and steel, on this account.

बस्तर मध्य प्रदेश में लौह अयस्क

2647. **श्री कैलाश नारायण सारंग** : क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बस्तर जिले के बैलाडिला क्षेत्र में कितना लौह-अयस्क उपलब्ध है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान अन्य देशों को कितना-कितना लौह अयस्क निर्यात किया गया और अन्य राज्यों को कितना-कितना लौह-अयस्क भेजा गया ;

(ग) क्या सरकार इस क्षेत्र के विकास के लिए यहां पर लौह अयस्क पर आधारित एक कारखाना स्थापित करने का विचार रखती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) बैलाडिला क्षेत्र (जिला बस्तर) के प्रमुख निक्षेपों में 1-4-91 की स्थिति के अनुसार उपलब्ध खनन योग्य लौह अयस्क की मात्रा लगभग 8000 लाख टन है ।

(ख) इस क्षेत्र से लौह अयस्क की निम्नलिखित मात्रा निर्यात करने के लिए और दूसरे राज्यों में घरेलू उपयोग के लिए प्रस्तुत की गई थी :—

(मात्रा : लाख टन)

वर्ष	निर्यात	दूसरे राज्यों के घरेलू उपयोग के लिए
1988-89	69.47	0.65
1989-90	67.43	7.71
1990-91	50.06	18.86

(ग) और (घ) इस समय लौह अयस्क के आधार पर मध्य प्रदेश के बस्तर जिले में कोई परियोजना स्थापित करने के लिए सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है । इसके कारण निम्नानुसार हैं :—

(क) नई औद्योगिक नीति (जुलाई, 1991) के अन्तर्गत लोहा और इस्पात उद्योग को विनियंत्रित कर दिया गया है ।

(ख) निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में लोहा और इस्पात परियोजना स्थापित करने में रुचि दिखाई है ।